



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

—पा. II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 282]

नई विल्सो, शुक्रवार, जुलाई 2, 1982/प्रावाह 11, 1904

No. 282] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 2, 1982/ASADHA 11, 1904

इस भाग में भिन्ना दृष्टि सहया दी जाती है जिससे इस भाग को रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

दित मंत्रालय  
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

बघिसूचना  
नई विल्सो, 2 जुलाई 1982

प्राय-कर

का.मा. 472(अ) —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड प्राय-कर अधिनियम, 1961 (1961 क. 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त संक्षिप्तों का प्रयोग करते हुए, प्राय-कर नियम 1962 क. और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रथम —

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्राय-कर (सातवां संशोधन) नियम, 1982 है।

(2) मे 1 अप्रैल, 1983 को प्रवृत्त होगे।

2 प्राय-कर नियम, 1982 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) नियम 18खण्ड के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्त स्थापित किया जाएगा, प्रथम —

“18खण्ड—धारा 80 जज्ब के अधीन कटौती का दावा करने के लिए संपरीक्षा रिपोर्ट का प्रक्रम

किसी काम्पनी या किसी महाकारी सोसायटी से भिन्न किसी निधारिती सेवादारी की संपरीक्षा की रिपोर्ट जो धारा 80 जज्ब की उप-धारा 3) के उद्देश्य दी जाती अधेशित है प्रक्रम सं. 10गग्क में दी जाएगी।”

3 मूल नियमों के परिणाम II में प्रलैप सं. 10 गग्क के पश्चात् निम्नलिखित प्रस्तुत स्थापित किया जाएगा प्रथम—

“प्रलैप सं. 10 गग्क

(नियम 18खण्ड के देखें)

प्राय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80 जज्ब के प्रयान संपरीक्षा रिपोर्ट

\*मेरा/हमने

वेता का नाम

मैं श्री मैसर्ट

(निधारिती का नाम)

द्वार

\*\*के निष्पादन

संबंधी कारबाह के तुलनपत्र को जैसा कि वह को है और उस तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए उक्त कारबाह के साम और हानि लेखा की परीक्षा कर ली है और हमें यह पता चला है कि वे

मुख्य कार्यालय और

गई लेखा पुस्तकों के प्रत्युत्तर है।

गाड़ाग्रो पर रखी

\*मेरा/हमारा यह समाधान हो गया है कि श्री मैसर्ट ने उपरिविष्ट परियोजना कार्य के निष्पादन के कारबाह में उपर्यात सामो और फायदों की बाबत पृथक लेखा द्वारा दूर है।

\*मेरा/हम प्रमाणित करते हैं कि उक्त कारबाह के प्रयोजनों के लिए सभी खर्च, जहां कही भी वे उपयन किए गए हैं, उक्त कारबाह के साम और हानि लेखा नाम द्वारे दाले गए हैं और निधारिती द्वारा उपयत खर्च यदि कोई है, जो उक्त कारबाह और निधारिती के किसी कारबाह

के भाषा साथ में है, युक्तियुक्त भाषाएँ पर प्रमाणित किए गए हैं और युक्तियुक्त गणित उक्त कारबाह के लाभ और हानि खाते नामे डार्सी गई हैं।

\*मैने/हमने गमी ऐसी जानकारी और स्पष्टीकरण प्रभिप्राप्त कर लिए हैं, जो मेरी/हमारे सर्वोक्तम ज्ञान और विश्वास के अनुमान भावायक हैं।

\*मेरी/हमारी यह भूमध्य कर्तव्यों और शास्त्र कार्यालयों में पूर्वोक्त कारबाह की व्यावस्था जिनका \*मैने/हमने लिंगिकण किया है, जहाँ तक \*मैने/हमें विभिन्नों की परीक्षा से प्रतीक्षा होता है, समुचित लेखा विधियाँ रखी गयी हैं, और संपरीक्षा के प्रयोगों के लिए उन शास्त्रों से जिनका \*मैने/हमने निर्भर कर्तव्य नहीं किया है, तोने वो गई दीक्षा टिप्पणी के अधीन रखने हुए, पर्याप्त उचित विवरणों प्राप्त हो गई है।

\*मेरी/हमारी यह में शीर भेरी/हमारी सर्वोक्तम जानकारी तथा सुझे हुमें दिए स्पष्टीकरणों के अनुमान उक्त लेखा निम्नलिखित मामलों में सही और ठीक विवरण करने के:—

(i) तुलनपत्र की दशा में, ..... का उपर्युक्त कारबाह के कार्यकलाप की स्थिति और (ii) लाभ और हानि लेखा की दशा में, ..... का समाप्त छोड़ने वाले लेखा वर्ष के लिए उपर्युक्त कारबाह का लाभ या उम्मीद हानि।

स्थान—

तारीख

हस्ताक्षर

लेखापात्र

टिप्पणी—

1. \*जो नागृ न हो उम्मीद काट दे।

2. \*\*, यहाँ, यथा विदेशी निवारिती द्वारा हाव में भी गई विदेशी परियोजना की प्रकृति, या निवारिती द्वारा हाव में भी गई किसी विदेशी परियोजना के भाग रूप कार्य का उल्लेख करें।

3. यह गिरोड़ निम्नसिखित व्यक्ति द्वारा दी जानी है।

(i) चार्टर्ड एकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अन्तर्गत कोई चार्टर्ड एकाउंटेंट, या  
(ii) क.ई. अधिनियम जो किसी राज्य के संबंध में कपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उपधारा (2) के उपबद्धों के परिणामस्वरूप उम्मीद राज्य में रजिस्ट्रीक्टर कम्पनियों के संपरीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किए जाने का हक्कावाह है।

4. जहाँ इस रिपोर्ट में कथित किसी मामले का उत्तर नाकारात्मक या किसी विवेषक के साथ दिया जाता है वहाँ रिपोर्ट में उम्मीद लिए कारणों का उल्लेख किया जाएगा।

[सं. 4781/का.सं. 142/22/82टी पीएल]

ई.के.० कोशी,

सचिव

केन्द्रीय प्रस्तुत कर बोर्ड

MINISTRY OF FINANCE  
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd July, 1982

INCOME-TAX

S.O. 472(E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of

1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Seventh Amendment) Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the 1st day of April, 1983.

2. In the Income-tax Rules, 1962 (hereinafter referred to as the principal rules), after rule 18BB, the following rule shall be inserted, namely :—

“18BBA. Form of audit report for claiming deduction under section 80HBB.

The report of the audit of the accounts of an assessee, other than a company or a co-operative society, which is required to be furnished under clause (i) of sub-section (3) of section 80HBB shall be in Form No. 10CCA.”

3. In Appendix II to the principal rules, after Form No. 10CC, the following form shall be inserted, namely :—

“FORM NO. 10CCA

(See rule 18BBA)

AUDIT REPORT UNDER SECTION 80HBB OF THE INCOME-TAX ACT, 1961

\*I/We have examined the balance sheet of the business of the execution of \*\* in (name of the country) carried on by \*Shri/M/s. Name of the assessee) as at \_\_\_\_\_ and the profit and loss account of the said business for the year ended on that date and we find that they are in agreement with the books of account maintained at the head office \_\_\_\_\_ and branches at \_\_\_\_\_

\*I am/We are satisfied that \*Shri/M/s. \_\_\_\_\_ has/have maintained separate accounts in respect of the profits and gains derived from the business of the execution of \*project/work referred to above.

\*I/We certify that all expenses, wherever incurred, for the purposes of the said business have been debited to the profit and loss account of the said business and that expenses, if any, incurred by the assessee which are common to the said business and any other business of the assessee have been apportioned on a reasonable basis and appropriate debits have been made to the profit and loss account of the said business.

\*I/We have obtained all the information and explanations which to the best of \*my/our knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In \*my/our opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches in respect of the aforesaid business visited by \*me/us so far as appears from \*my/our examination of books, and proper returns adequate for the purposes of audit have

been received from branches not visited by \*me/us subject to the comments given below :

In \*my/our opinion and to the best of \*my/our information and according to explanations given to \*me/us, the said accounts give a true and fair view—

- (i) in the case of the balance sheet, of the state of affairs of the aforesaid business as at \_\_\_\_\_, and
- (ii) in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of the aforesaid business for the accounting year ending on \_\_\_\_\_

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

Signature  
†Accountant.

NOTES :

1. \*Delete whichever is not applicable.
2. \*\*Here give nature of the foreign project undertaken by the assessee or, as the case may be,

work forming part of a foreign project undertaken by the assessee.

3. †This report is to be given by :—

- (i) a chartered accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949) ; or
- (ii) any person who, in relation to any State, is, by virtue of the provisions in sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.

4. Where any of the matters stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.”.

[No. 4781/F No. 142(22)/82-TP]

E. K. KOSHI, Secy.  
Central Board of Direct Taxes

